GYAN BHARTI COLLEGE OF EDUCATION

INDRI KARNAL

PROJECT REPORT

TEXTBOOK ANALYSIS

SUBMITTED TO

SUBMITTED BY
NAME - SHIVANI
CLASS - B.ED (Final)
UNIV. ROLL.NO - 2040007519

Scanned with OKEN Scanner

INDEX

S.No.	Topic	Page No.	Date	Remarks
1.	पाठ्यपुस्तक	1 - 2		
	पाठ्यपुस्तक की विशेषताएँ	3 - 4		
	पाठ्यपुस्तक की आवश्यकता	5 -		
	पाठ्यपुस्तक के प्रकार			
	पाठ्यक्रम			
	पाठ्यक्रम का स्वरूप			
	परियोजन	15 - 16		
	समीक्षा	17 - 24		

Scanned with OKEN Scanner

Student's Name : Class : Date Page No.
School's Name : Topic Textbook

पाठ्यपुस्तके (TEXT BOOK)

भूमिका :->

शिक्षा मे पाठ्यचर्या बनाने की एक वृहद योजना है, एक वृहद प्रक्रिया है। एक प्रचलित विश्वास है कि अच्छी पाठ्यपुस्तके एक अच्छे पाठ्यचर्या के द्वारा बनती है, यही कारण है कि अक्सर हम यह देखते है कि बदलती हुई परिस्थितियो के अनुरूप शिक्षा मे जरूरी परिवर्तन हेतु पाठ्यपुस्तको को बदला जा सकता है। पाठ्यपुस्तको मे अवधारणाओ का विस्तार गतिविधियो चिंतन और अभ्यास के ऐसे मौके है जो सोचने को बढावा देते हैं।

परिभाषाँए :->

* हैरोलिकर के अनुसार :- " पाठ्यपुस्तक ज्ञान,

FOCUS Signature

अनुभवों, भावनाओं विचारों तथा प्रवृत्तियों व मूल्यों का संचय का साधन है।"

• **बेकन के अनुसार :-**

"पाठ्यपुस्तक विद्यालय या कक्षा हेतु छात्र एवं छात्र शिक्षक के प्रयोग हेतु विशेष रूप से तैयार की जाती है जिसमें केवल एक विषय का घनिष्ठ रूप से संबंधित विषयों को पाठ्यपुस्तकों मे प्रस्तुत किया जाता है।"

* **टी रेमन्ट के अनुसार :-**

"पाठ्यपुस्तक अध्ययन क्षेत्र की किसी शाखा की एक प्रमाणिक पुस्तक है।"

भारतवर्ष मे शिक्षा की परंपरा बड़ी पुरानी हैं। प्राचीन काल मे अपने देश मे पुस्तकों के लिए 'ग्रंथ' शब्द का प्रयोग किया जाता था। ग्रंथ शब्द का अर्थ है 'गूथना' क्रमानुसार रखना तथा नियमित रूप से जोड़ना।

Student's Name :
Class :
School's Name :
Date
Page No. 3
Topic

पाठ्यपुस्तक की विशेषताएँ

एक अच्छी पाठ्यपुस्तक मे निम्नलिखित गुणो का होना आवश्यक होता है -

1) विषय - वस्तु का प्रस्तुतीकरण बालको के मानसिक स्तर के अनुरूप।

2) विषय - वस्तु का संगठन तार्किक एवं मनोवैज्ञानिक।

3) व्याख्या, स्पष्टीकरण, उदाहरणो आदि की सहायता से विषय का सरलीकरण।

4) भाषा - शैली मे सरलता, स्पष्टता मौलिकता एवं प्रवाहशीलता।

5) विद्यार्थियो मे स्वयं पढने की रुचि विकसित कर सकने की क्षमता।

Signature

FOCUS™
Scanned with OKEN Scanner

Topic_____ Date_____

6) अन्य लेखको, विद्वानो के संदर्भ स्पष्ट विश्वसनीय एंव वैध हो।

7) मुख पृष्ठ सचित्र, आकर्षक एंव सौद्देश्य हो।

8) मुद्रण स्पष्ट शुद्ध एंव स्पष्ट हो।

9) आकार सुविधाजनक हों।

10) अध्यायो के आकार बालको के स्तर एंव क्षमताओ के अनुरूप होना चाहिए।

11) विषय - वस्तु का प्रस्तुतीकरण शिक्षण उद्देश्यो एंव मूल्यो के अनुरूप।

12) विषय - वस्तु से संबंधित आधुनिकतम घटनाओ तथ्यो एंव समस्याओ पर बल।

13) विषय - वस्तु के अनुकूल चित्रो, मानचित्रो रेखाचित्रो आदि का प्रस्तुतीकरण।

14) विषय - वस्तु सूची शब्दावली, सन्दर्भ - ग्रन्थ सूची, निर्देश - नियमावली आदि का समावेश।

15) विषय - वस्तु से किसी की भी भावनाओ को आघात न पहुँचना अथवा धर्म -

6) निरपेक्षता की भावना पर ध्यान।

7) चिन्तन एवं नवीन विचारो का प्रस्तुतीकरण।

8) अध्याय के अन्त मे विद्यार्थियो द्वारा स्वत: मूल्यांकन हेतु अभ्यास - प्रश्नो का समावेश।

पाठ्यपुस्तक की आवश्यकता

- पुस्तको की सहायता से शिक्षा की प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से चलाई जा सकती है और अध्यापक द्वारा शिक्षण हेतु योजना बना सकते है।
- पाठ्यपुस्तके पाठ्यक्रम मे निर्धारित उद्देश्यो को पूर्ण करने मे सहायक होते है।
- पाठ्यपुस्तके ज्ञान प्राप्ति का सशक्त साधन है।
- पाठ्यपुस्तके छात्रो को प्रेरणा देती है।
- पाठ्यपुस्तके रचनात्मक शक्तियो का विकास करती है।
- पाठ्यपुस्तके अर्जित ज्ञान को स्थायी बनाने मे सहायक होती है।
- पाठ्यपुस्तकें समय और शक्ति की बचत करती है।
- शिक्षक और शिक्षार्थियो का मार्गदर्शन करती है।

Scanned with OKEN Scanner

पाठ्य पुस्तकों के प्रकार

पाठ्यपुस्तको को सामान्यता तीन वर्गो मे वर्गीकृत किया जा सकता है।

1 सामान्य पाठ्य पुस्तके :-

ये पुस्तकें किसी विषय - विशेष पर अध्ययन की दृष्टि से लिखी जाती है। इनमे किसी निर्धारित पाठ्यक्रम को आधार नही बनाया जा सकता तथा प्रकरणो को विषय - सामग्री की उपलब्धता एवं उपयोगिता की दृष्टि से विस्तार प्रदान किया जाता है ये पुस्तके विशेष रूचि वाले विद्वानो के द्वारा लिखी जाती है। इनका प्रयोग उच्चतर व माध्यमिक कक्षाओ या उनसे ऊपर की कक्षाओं मे किया जाता है।

2 पाठ्यक्रम पर आधारित पाठ्य - पुस्तके :-

इस प्रकार की पुस्तके किसी निश्चित पाठ्यक्रम के आधार पर किसी निश्चित कक्षा स्तर के लिए लिखी गई होती है। इन पुस्तको का विस्तार क्षेत्र सीमित होता है किन्तु विद्यार्थियो के लिए ये बहुत उपयोगी होती है क्योकि ये पाठ्यक्रम से सीधी जुड़ी हुई होती है विद्यार्थियो मे इन्ही पुस्तको का सर्वाधिक प्रचलन होता है। इस प्रकार की पाठ्यपुस्तके सभी कक्षाओ मे प्रयुक्त की जाती है।

Scanned with OKEN Scanner

3 संदर्भ पुस्तके (Reference Books)

ये विशिष्ट प्रकार की पुस्तके होती है तथा इनमे विस्तृत ज्ञान का समावेश होता है। इनमे तथ्यो, प्रत्ययो, सूत्रो, घटनाओ आदि की व्याख्या की जाती है। शिक्षक इनका प्रयोग सन्दर्भो के रूप मे करता है। इसलिए इन्हे सन्दर्भ पुस्तके कहा जाता है।

पाठ्यक्रम (Syllabus)

अर्थ :- पाठ्यक्रम शब्द अंग्रेजी के शब्द Curriculum का हिन्दी रूपांतरण है। इसका अर्थ है "शिक्षा के क्षेत्र मे ~~विद्यार्थी~~ की प्रगति का क्षेत्र"।

दूसरे शब्दो मे हम कह सकते है कि पाठ्यक्रम वह मार्ग है, जिसका अनुसरण करके विद्यार्थी शैक्षिक उद्देश्यो को प्राप्त करता है तथा यह पाठो का ऐसा क्रम है जिसके माध्यम से विद्यार्थियो को ज्ञान दिया जाता है।

Definations (परिभाषा)

• **मनरो के अनुसार** "पाठ्यक्रम के अन्तर्गत वे समस्त अनुभव आते है जिन्हे

शिक्षा के उद्देश्य की पूर्ति के लिए विद्यालय प्रयोग मे लाता हैं।

फ्रॉबेल के अनुसार "पाठ्यक्रम से तात्पर्य को मनुष्य जाति के संपूर्ण ज्ञान और अनुभव का सार समझना चाहिए।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

बालको मे समृद्धि उपयोगी एवं नैतिक जीवन के लिए नींव डालना, जिससे वह समाज कल्याण के लिए कार्य कर सके।

हष्ठ-पुष्ठ बालको का निर्माण करना तथा उपयुक्त मानसिक एवं संवेगात्मक दृष्टिकोण एवं आदतो का विकास करना।

बालको मे योग्यता अनुसार ज्ञान एवं विभिन्न कौशलो का विकास करना।

पाठ्यक्रम की आवश्यकता एवं महत्व

1 शिक्षा की प्रक्रिया व्यवस्थित होती है।
2 समय और शक्ति का सदुपयोग होता है।
3 बच्चो की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओ की पूर्ति करता है।
4 पाठ्य-वस्तुओ का निर्माण संभव होता हैं।
5 शिक्षा का स्तर समान रहता हैं।
6. मूल्यांकन संभव सरल होता है।

पाठ्यक्रम के आधार

दार्शनिक आधार :-

i) आदर्शवाद
ii) प्रकृतिवाद
iii) प्रयोजनवाद
iv) यथार्थवाद

ii) सामाजिक आधार।
iii) मनोवैज्ञानिक आधार।
iv) वैज्ञानिक आधार।

पाठ्यपुस्तक का स्वरूप

1 भौतिक स्वरूप (Physical Aspect)

पाठ्यपुस्तक के भौतिक स्वरूप के अंतर्गत निम्न तत्वो का समावेश होता है।

पाठ्यपुस्तक निर्माण मे जिस कागज का प्रयोग किया जाता है वह शुद्ध व उच्च गुणवत्ता का होना चाहिए।

पाठ्यपुस्तक को मजबूती के साथ संपूर्णता जिल्दसाजी करनी चाहिए।

Topic ______ Date ______

- **मुद्रण** → (Printing)
पाठ्यपुस्तक मे मुद्रण शुद्ध एव स्पष्ट होना चाहिए। उसकी लिपि अच्छी तरह से मुद्रित होनी चाहिए, ताकि पठन मे सरलता हो।

- **आकार** (Size)
पाठ्यपुस्तक मे मुद्रित लिपि का आकार भारी और मोटी होना चाहिए। जिससे पढने मे आसानी हो जो स्पष्ट दिखाई दे।

- **आवरण** (Cover)
पाठ्यपुस्तक को एक सुंदर एव सुव्यवस्थित आकर्षित आवरण पृष्ठ से सुसज्जित किया जाना चाहिए।

- **मूल्य** (Price)
प्रत्येक पाठ्यपुस्तक का अपना एक उचित मूल्य होना चाहिए।

2 सामग्री की प्रकृति → (Nature Of Content)

- **पठनीय** (Readable)
पाठ्यपुस्तक मे जो सामग्री मुद्रित है। वह पूर्ण रूप से पठनीय योग्य होनी चाहिए और उसकी भाषा समझने योग्य होनी चाहिए व सरल होनी चाहिए।

- **ससम्मिलित पाठ्यक्रम** (Covering the syllabus)

पाठ्यपुस्तक की सामग्री इस प्रकार होनी चाहिए जिसमे कि वह संपूर्ण पाठ्यक्रम मे ससम्मिलित करती हो।

चयनित सामग्री (Contains the selected material)

पाठ्यपुस्तक की सामग्री के अंतर्गत केवल चयनित सामग्री को ही शामिल करना चाहिए। जिसका लाभ विद्यार्थी सरलता से उठा सकें।

आवश्यक जानकारी का स्त्रोत

पाठ्यक्रम मे सम्मिलित सामग्री एक आवश्यक जानकारी का स्त्रोत होना चाहिए जो विद्यार्थियो को सचेत जागरूक एवं काम प्रदान करने मे सहायक सिद्ध हो।

3 सामग्री का संगठन (Organisation of Content)

सामग्री संगठन सूचना एकत्रित करने वाले की गतिविधियो की ही प्रतिक्रिया है।

- स्थिरता (Stickness) स्थिरता केवल एक विचार के अचल होने का गुण है।
- संबंध (Relationships) सामग्री एक दूसरे की अपेक्षा से संबंधित होनी चाहिए।
- वर्गीकरण (Classification) सामग्री को सुव्यवस्थित रूप से खण्डे मे वर्गीकृत किया जाना चाहिए।

- सरलता से कठिन की ओर (Simple to Complex) सामग्री सरलता से कठिनता की ओर अग्रसर करती हुई होनी चाहिए। प्रारंभ में सामग्री सरल एवं सुलभ हो और फिर उसे व्याख्याति करते हुए आगे जटिल विषय सामग्री का परिचय हो।
- ज्ञात से अज्ञात की ओर (From Known to unknown) यह पहले सिद्धान्त से संबंधित है। यदि नए ज्ञान को ज्ञात के साथ जोड़ा जा सकता है तो अवधारणा हमेशा बेहतर होती है।
- पर्याप्तता (Sufficiency) सामग्री पर्याप्त मात्रा में होनी चाहिए। उसके सभी यह सामग्री की पूरी अवधारणा को स्पष्ट करता है।

4 सामग्री की प्रस्तुति (Presentation of Content)

प्रस्तुतीकरण के ~~तत्व~~ इस प्रकार है।

- उचित क्रम (Proper Sequence) सामग्री को पाठ्यपुस्तक में उचित क्रम में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। प्रारंभिक अवस्थाओं के दौरान मनोवैज्ञानिक क्रम अधिक महत्वपूर्ण होता है, जहाँ बड़े होने वाले शिक्षार्थियों के लिए तार्किक क्रम पर अधिक बल दिया जाता है।
- शीर्षकों पर प्रकाश (Heading are Highlighted) सामग्री (विषय) को यहाँ से प्रस्तुत किया जाना चाहिए,

Scanned with OKEN Scanner

जहां शीर्षको को हाइलाइट किया गया है।
• भाषा सरल व समझने मे सुलभ होनी चाहिए।

5 शैली (Style)

• प्रमुख भाग (Major Parts)
पाठ्यपुस्तको मे प्रस्तुत विषयो को प्रमुख भाग मे वर्गीकृत किया जाना चाहिए।

• अध्याय (Chapters)
विषयो को अध्यायो मे वर्गीकृत किया जाना चाहिए।

• खंड / अनुभाग (Sections)
पाठ्यपुस्तक मे सर्वप्रथम संपूर्ण विषय अध्यायो मे वर्गीकृत होना चाहिए। उसके बाद अध्यायो को खण्डो मे विभक्त करना चाहिए।

• उप-खंड (Sub Sections)
अध्यायो को खंडो मे विभक्त करने के पश्चयात उपखंडो मे विभक्त कर देना चाहिए।

• लेखन (Writing)
लेखन समझने मे सहायक होना चाहिए।

Scanned with OKEN Scanner

6 चित्रण / निदर्शन (Illustration)

- **अधिक सार्थक** (More Meaningful)

पाठ्यपुस्तक मे विषय को अधिक सार्थक बनाने मे उदाहरण, चित्रण, नक्शा पहेली आदि सहायक सिद्ध होते हैं।

- **सुलभ** (Easier)

उदाहरण, चित्रण, निदर्शन के माध्यम मे विषय को बहुत ही सरल बनाया जा सकता है

- **प्रवाह**

इसके माध्यम से पठन मे प्रवाह का आगमन होता है।

7 अभ्यास और परियोजना (Exercise And Project)

- **अभ्यास** →

स्कूल के विषय से संबंधित अभ्यास और अभ्यास के लिए रिक्त स्थान वाली एक पुस्तिका होती है।

अभ्यास की सहायता से हम निम्न बातो का पता लगाया जा सकता है।

- यह अभ्यास कार्य मे मदद करता है।
- यह जानने मे मदद करता है कि विद्यार्थी ने विषय संबंधित सिद्धान्त को कितना सीखा।
- मूल्यांकन मे सहायक।
- विद्यार्थियो की क्षमता को विकसित करता है।
- छात्रो मे स्वय सीखने की प्रवृत्ति से परिचय कराने मे सहायक।

Lotus

Scanned with OKEN Scanner

उदाहरण :-

हिन्दी की एक पाठ्यपुस्तक में अभ्यास के लिए निम्न प्रकार के उपागम दिए जाते हैं।

- रिक्त स्थान भरो।
- मिलान करो
- सही / गलत बताओ
- प्रश्न उत्तर।

- परियोजना (Project)

एक परियोजना कार्यों की एक श्रृंखला है जिसे एक विशिष्ट परिणाम तक पहुँचने के लिए पूरा करने की आवश्यकता होती है।

परियोजनाएँ सरल से जटिल तक हो सकती हैं और एक व्यक्ति या सैकड़ों व्यक्तियों द्वारा प्रबंधित की जा सकती हैं।

- परियोजना आधारित अधिगम (Project Based Learning)

परियोजना आधारित शिक्षा एक छात्र केन्द्रित शिक्षाशास्त्र है, जिसमे गतिशील कक्षा दृष्टिकोण है जिसमे यह माना जाता है कि छात्र वास्तविक दुनिया की चुनौतियों और समस्याओं के सक्रिय अन्वेषण के

Signature

FOCUS

माध्यम से गहन ज्ञान प्राप्त करता है।

- यह सक्रिय सीखने और पूछताछ आधारित सीखने की एक शैली है।
- यह बच्चो मे अपने साथियो के साथ काम करने की क्षमता विकसित करता है।
- सामूहिक कार्य और समूह कौशल का निर्माण करने मे सहायक सिद्ध है।

8) संदर्भ - ग्रन्थ सूची (Bibliography) :

सदर्भ ग्रन्थ सूची उन सभी स्त्रोतो की सूची है जिनका उपयोग आपने अपने काम पर शोध करने की प्रक्रिया मे किया है।
इसके अंतर्गत :-

लेखक का नाम
कार्य का शीर्षक

- आपके स्रोत की प्रक्रिया प्रकाशित करने वाली कंपनियों के नाम और स्थान।
- प्रकाशन की तिथि।
- स्रोत के प्रति पर पृष्ठ सँख्या इत्यादि।

Scanned with OKEN Scanner

समीक्षा (Review)
पाठ्यक्रम का विश्लेषण (Analysis of the syllabus)
पाठ्यपुस्तक का विश्लेषण (Analysis of the Textbook)

समीक्षा

कक्षा (CLASS) - 11th
विषय (SUBJECT) - गृह विज्ञान
भाषा (LANGUAGE) - हिंदी

विषय का पाठ्यक्रम

1) गृह विज्ञान का अर्थ तथा क्षेत्र।

2) विकास की विभिन्न अवस्थाएँ।

3) भोजन, पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता।

4) परिवार एवं सामुदायिक साधन।

5) वस्त्र एवं परिधान।

Signature

Scanned with OKEN Scanner

पाठ्यक्रम का विश्लेषण
(Analysis of the Syllabus)

क्रम सं॰	समीक्षा	(✓) Give tick	(✓) Give tick	(✓) Give tick
1	पाठ्यक्रम की इकाइयाँ हैं	उचित ✓	अनुचित	कोई टिप्पणी नही
2	पाठ्यक्रम का मनोवैज्ञानिक स्तर है	उचित ✓	अनुचित	कोई टिप्पणी नही
3	कठिनाई का स्तर है	उचित	अनुचित	कोई ✓ टिप्पणी नही
4	पिछली कक्षा का पुनरीक्षण	उचित	अनुचित ✓	कोई टिप्पणी नही
5	अगली कक्षा के लिए आधारभूत कार्य	हाँ ✓	नही	कोई टिप्पणी नही
6	जीवन से जोड़ने के लिए पर्याप्त प्रावधान	हाँ ✓	नही	कोई टिप्पणी नही
7	अन्य विषय के साथ सह सम्बन्ध	हाँ ✓	नही	कोई टिप्पणी नही
8	पाठ्यक्रम है	अधिक कठिन	अधिक सरल	उचित ✓

Scanned with OKEN Scanner

पाठ्यपुस्तक का विश्लेषण
(Analysis Of The Textbook)

1 Physical Aspect (भौतिक स्वरूप)

क्रम सं SR. NO	विशेषता (Characteristics)	(✓) Tick	(✓) Tick	(✓) Tick
1	आकृति एवं आकार	सामान्य (✓)	असामान्य	अन्य
2	बाहरी साज-सज्जा	आकर्षक	मध्यम (✓)	अनाकर्षक
3	पृष्ठ और प्रिंट की गुणवत्ता	उत्तम	औसत (✓)	खराब
4	मुद्रण में गलती	अधिक	कुछ (✓)	बिल्कुल नहीं
5	मूल्य	अधिक	उचित (✓)	कम
6	समग्र रूप	अति उत्कृष्ठ	अच्छा	सामान्य ✓

Scanned with OKEN Scanner

2 विषय / पाठ्यक्रम / सामग्री की प्रकृति

(Nature of Content)

SR.No	विशेषता (Characterstics)	(✓) Tick	(✓) Tick	(✓) Tick
1	पठनीय	हाँ (✓)	नही	टिप्पणी नही
2 2	संपूर्ण पाठ्यक्रम	हाँ (✓)	नही	टिप्पणी नही
3	चयनित सामग्री शामिल है।	हाँ	नही	टिप्पणी नही (✓)

3 पाठ्यक्रम विषय का संगठन

(Organisation Of Content)

- पाठ की सामग्री अपने सिद्धान्त पर कायम है –
  हाँ (✓) नही
- सभी विषय आपस मे सम्बन्ध रखते है –
  हाँ (✓) नही
- सरलता से जटिल की ओर अधिक –

हाँ नही (✓)

- ज्ञात से अज्ञात की ओर बढना –
  हाँ (✓) नही

- सामग्री पर्याप्त है – हाँ (✓) नही

4 विषय (सामग्री) की प्रस्तुति (Presentation of Content)

क्रम सं SR. No	विशेषता (Characteristics)	(✓) Tick	(✓) Tick	(✓) Tick
1	उचित क्रम	हाँ (✓)	नही	टिप्पणी नही
2	प्रकाशित शीर्षक	सभी	कुछ (✓)	टिप्पणी नही
3	भाषा	कठिन	सामान्य (✓)	अधिक सरल

5 शैली (Style) :

उनके अवलोकार के आधार पर उत्तर पर निशान लगाँए।

- प्रमुख भाग दिए गए हैं – हाँ (✓) नही
- अनुभाग दिए गए हैं – हाँ नही (✓)
- उप- भाग दिए गए हैं – हाँ नही (✓)

6 चित्रण (निदर्शन) ÷ (Illustration)

- उदाहरण दिए गए हैं - सभी कुछ (✓) नही

7 अभ्यास (Exercise) ÷

क्रम स.	विशेषता	(✓)	(✓)	(✓)
1	रिक्त स्थान भरे	सभी अध्यायो मे	कुछ अध्यायो मे	नही है (✓)
2	सही गलत संमिलान	है	कुछ मे	नही (✓)
3	प्रश्न - उत्तर	लघु (✓)	दीर्घ (✓)	विकल्पीय

Scanned with OKEN Scanner

8 सहायक - सन्दर्भ सूची (Bibliography)

- पुस्तक का शीर्षक – गृह विज्ञान (सरस्वती)
- प्रकाशन – न्यू सरस्वती हाउस (नई दिल्ली
- संपादक – शारदा गुप्ता ।
- प्रथम संस्करण – Revised Edition (2017)
- मूल्य – २०० रूपये
- मुद्रक – डॉ विनोद गुप्ता, श्री शिव शर्मा

सुझाव (Suggestions)

→ मुख्य रूप से आकृति और आकार, बाहरी साज-सज्जा (कवर पेज), कागज की गुणवत्ता आदि पर ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि पुस्तक आकर्षक और दिलचस्प लगे।

→ कठिनाई का स्तर अधिक नही होना चाहिए, क्योंकि यह बुद्धिमान और कमजोर छात्रो के बीच हीनता पैदा करता है।

→ शीर्षक पर प्रकाश अवश्य डाला जाना चाहिए।

→ इस पाठ मे पीढ़े के अभ्यास दिये जाने चाहिए। यदि कमी है तो इस पुस्तक के अगले संस्करण पर ध्यान - केन्द्रित करें।

Scanned with OKEN Scanner